देहरादून में लेखकों का गाँव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, उत्तराखंड के देहरादून में "लेखकों का गाँव (राइटर्स विलेज)" नामक एक अनूठी सांस्कृतिक पहल की घोषणा की गई है, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय **साहित्यिक** और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

प्रमुख बिंदु

- लेखकों का गाँव (राइटर्स विलेज) का उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री द्वारा **27 अक्तूबर**, 2024 को देहरादून के पास थानो में किया जाएगा।
- इसका उद्घाटन **23 अक्तूबर से 27 अक्तूबर, 2024** तक चलने वाले **अंतर्राष्ट्रीय कला, साहित्य और संस्कृति महोत्सव** के साथ हो रहा है।
- पाँच दिवसीय महोत्सव में **65 देशों** के 300 से अधिक लेखक, कलाकार और साहित्यकार भाग लेंगे।
    - इस वैश्विक भागीदारी का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है, जिसमें हिंदी एवं उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
- **महत्त्व:**
    - यह महोत्सव **साहित्य अकादमी**, **राष्ट्रीय पुस्तक न्यास** और उत्तराखंड संस्कृति विभाग जैसे संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न सत्रों के माध्यम से साहित्य, भाषा तथा कला पर चर्चा करने का एक मंच होगा ।
    - इससे वैश्विक स्तर पर **हिंदी भाषा** को बढ़ावा मिलने के साथ ही **उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत** पर भी प्रकाश पड़ने की उम्मीद है।

????????? ?????? ????? (National Book Trust- NBT)

- NBT, **भारत वर्ष 1957 में भारत सरकार (उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय)** द्वारा स्थापित एक सर्वोच्च निकाय है ।
- **NBT के उद्देश्य हैं:**
    - अंग्रेज़ी, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में अच्छे साहित्य का सृजन एवं प्रोत्साहन करना।
    - इस तरह के साहित्य को जनता को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना।
    - पुस्तक सूची प्रकाशित करना, पुस्तक मेले/प्रदर्शनी और सेमिनार आयोजित करना तथा लोगों को पुस्तक के प्रति रुचि रखने वाला बनाने के लिये सभी आवश्यक कदम उठाना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/writers-village-in-dehradun